



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண பாரதத் திராவிட மக்கள் தினம் | தினமணி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूर से एक साथ प्रकाशित



5 समाट चौधरी ने बिहार में सरकार गठन का दावा पेश किया

6 होर्मुज की नाकेबंदी से टूटती अनगिनत उमीद

7 अनीता हसनदानी के साथ तिरुमाला मंदिर पहुंची एकता कपूर

फास्ट टेक

दर्शन के बदले नकद घोटाले में स्वम्बकेश्वर मंदिर का एक न्यासी गिरफ्तार

नासिक (महाराष्ट्र) / भाषा। स्वम्बकेश्वर मंदिर में 'वीआईपी' सुविधा के तहत जल्दी दर्शन कराने के लिए अज्ञात लोगों द्वारा बिना रसीद के कुछ श्रद्धालुओं से कथित रूप से 3000-3000 रुपए लेने के कुछ दिन बाद मंदिर न्यास के एक न्यासी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (नासिक ग्रामीण) बालासाहेब पाटिल ने बताया, "स्वम्बकेश्वर देवस्थान न्यास के न्यासी पुरुषोत्तम कडलाग को सोमवार देर रात करीब एक बजे गिरफ्तार किया गया। यह साक्ष्य आधारित कार्रवाई है। हमने अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कुछ और नाम सामने आए हैं, जिनकी पुष्टि के बाद जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।" आरोपियों को 20 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

आयकर विभाग के कर्मचारी संगठनों ने 16 कल से चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग के दो प्रमुख कर्मचारी संगठनों ने सरकार को चेतावनी दी है कि उनकी 'लंबित' मांगों और कामकाज के 'मुश्किल' हालात पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे 16 अप्रैल से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे। आयकर कर्मचारी महासंघ और आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ की भागीदारी वाली संयुक्त कार्रवाई परिषद (जेसीए) विभाग के लगभग 97 प्रतिशत कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है। ये कर्मचारी सरकार के लिए राजस्व संग्रह का काम करते हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने विशेष चुनावों में जीत हासिल करके बहुमत वाली सरकार बनाई

टोरंटो/एपी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोमवार रात विशेष चुनाव में जीत हासिल करके अपनी सरकार के लिए बहुमत सुनिश्चित कर लिया। इससे उनकी लिबरल पार्टी अब बिना विपक्षी दलों के समर्थन के भी कानून पारित कर सकेगी। मतदाताओं ने 343 निर्वाचन क्षेत्रों में से तीन रिक्त सीट के लिए मतदान किया। टोरंटो में, लिबरल पार्टी उम्मीदवार डेनियल मार्टिन ने यूनिवर्सिटी रोजडेल जिले से चुनाव जीता और लिबरल पार्टी उम्मीदवार डॉली बेगम ने स्कारबोरो साउथवैस्ट जिले से जीत हासिल की। ब्यूकेर जिले के परिणाम बाद में आने की उम्मीद है। सोमवार के नतीजों के बाद लिबरल पार्टी 2029 तक सत्ता में बनी रह सकती है।

जात-पात से ऊपर उठकर,

संपन्न एवं विपन्न के बीच की खाई को पाटने पर ध्यान दें : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



सभी विभाजनों से ऊपर उठकर बिना किसी भेदभाव के एकजुट रहना ही सामाजिक सद्भाव की सच्ची अभिव्यक्ति है।

अहमदाबाद / भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को लोगों से जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर एक समावेशी समाज की दिशा में काम करने की अपील करते हुए कहा कि देश को अब 'संपन्न और विपन्न' के बीच की खाई को पाटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मुर्मू ने गांधीनगर के लोक भवन (राज्यपाल आवास) में डॉ. बी. आर. आंबेडकर की जयंती पर आयोजित "सामाजिक समरसता महोत्सव" को संबोधित करते हुए कहा कि जाति प्रथा अतीत की बात है और लोगों को अब एक समाज के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने पिछड़े हुए लोगों के उत्थान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, जाति प्रथा बनाने वाले अब नहीं रहे। हमें मिलकर आगे बढ़ना होगा और सामाजिक

सद्भाव को मजबूत करना होगा। एक तरह से अब केवल दो ही जातियाँ हैं - संपन्न और वंचित (विपन्न)। एकता का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, "किसी को भी केवल अपने ही हित की बात नहीं करनी चाहिए। हम सभी एक हैं। हम भाई-बहन हैं।"

भारत की सांस्कृतिक एकता पर जोर देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश की परंपराएं करुणा, समानता, पारस्परिक

महिला आरक्षण विधेयक समय की जरूरत है : शाह

नई दिल्ली/भाषा। महिला आरक्षण विधेयक को समय की आवश्यकता बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सभी को इस ऐतिहासिक कदम का समर्थन करना चाहिए। शाह ने इसे बेहतर तरीके से लागू करना बतलाया, जिससे निश्चित रूप से बिना किसी देरी के होना चाहिए।

'एक्स' पर एक पोस्ट में शाह ने कहा, "महिला आरक्षण विधेयक समय की आवश्यकता है। हमारी नारी शक्ति को न्यायोचित अधिकार है कि वे नीति-निर्माण में सक्रिय भागीदारी करें और राष्ट्र को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। मोदी सरकार इस विधेयक को प्रस्तुत करने और इसे प्रभावी रूप से लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।" उन्होंने कहा कि बेहतर तरीके से लागू करना बतलाया है, जो निश्चित रूप से बिना किसी देरी के होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी लोग इस ऐतिहासिक कदम का समर्थन करेंगे।

ट्रंप ने मोदी से फोन पर बात की

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति जोनाथन ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की, जिस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का जायजा लिया। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने यह जानकारी दी। गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका के उज्ज्वल सहित अन्य क्षेत्रों में जल्द कुछ बड़े संवोधन करने की उम्मीद है। उन्होंने कुछ चुनिंदा संयोजन बताते हुए कहा कि फोन पर हुई लगभग 40 मिनट की बातचीत में ट्रंप ने मोदी को पश्चिम एशिया की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए

राष्ट्र की इच्छाशक्ति सैन्य शक्ति जितनी ही महत्वपूर्ण : डोमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोमाल ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा पूरे राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है।

गोंधीनगर/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोमाल ने मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा को एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी राष्ट्र की शक्ति का आकलन करते समय उसके लोगों की इच्छाशक्ति को नजरअंदाज करना सबसे बड़ी गलती है।

डोमाल ने गुजरात के गोंधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (एनआरए) के पांचवें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हालांकि सैन्य शक्ति जैसे कारक अहम हैं, लेकिन सुरक्षा मामलों में अक्सर लोगों की अंतर्निहित शक्ति ही निर्णायक साबित होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा पूरे राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है।

डोमाल ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा एक व्यापक, जटिल और बहुआयामी मुद्दा है। इसमें कई घटक शामिल हैं: किसी राष्ट्र की सैन्य शक्ति, तकनीकी दक्षता, प्राकृतिक संसाधन, कूटनीतिक क्षमता और मानव पूंजी। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस व्यापक राष्ट्रीय शक्ति का आकलन करते समय राष्ट्र की इच्छाशक्ति और उसके लोगों की अंतर्निहित शक्ति

का अंदाजा लगाने में अक्सर गलतियाँ होती हैं। डोमाल ने इसे समझाने के लिए वैश्विक घटनाक्रमों के उदाहरण दिए। एनएसए ने कहा कि युद्ध का एकमात्र मकसद दुश्मन का मनोबल तोड़ना है, ताकि उन्हें आपकी शर्तों पर समझौता स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस शक्ति के निर्माण में नागरिकों की भूमिका बेहद अहम है।

लेबनान-इजराइल वार्ता से दूरी बनाएगा हिज्बुल्ला, समझौते को मानने से इनकार

बेरूत/एपी। लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला ने अमेरिका में लेबनान और इजराइल के बीच होने वाली प्रत्यक्ष वार्ताओं के परिणामस्वरूप होने वाले किसी भी समझौते को मानने से इनकार कर दिया है। चरमपंथी समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। हिज्बुल्ला की राजनीतिक परिषद के उच्चस्तरीय सदस्य वाफिक सफा ने वाशिंगटन में लेबनान और इजराइल के राजदूतों के बीच संभावित वार्ताओं की पूर्व संध्या पर यह बात कही। दशकों में ऐसा पहली बार होगा जब दोनों देशों के राजदूत आमने-सामने बैठकर वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। सफा ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस से कहा, लेबनान और दुश्मन इजराइल के बीच इस वार्ता के परिणामों की जहां तक बात है तो हम उनकी कतई परवाह नहीं करते और न ही हम इसे लेकर किसी तरह चिंतित हैं।

महिला आरक्षण 2029 में लागू हुआ तो लोकतंत्र होगा और मजबूत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि यदि 2029 में लोकसभा और विभिन्न विधानसभाओं के चुनाव महिला आरक्षण के पूर्ण रूप से लागू होने के साथ कराए जाते हैं तो भारतीय लोकतंत्र और अधिक मजबूत तथा जीवंत बनेगा। देश की महिलाओं को लिखे एक पत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह भी कहा कि जब महिलाएं नीति-निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करेंगी तब विकसित भारत की यात्रा और अधिक सशक्त एवं तेज होगी। उन्होंने कहा, "इसलिए यह अनिवार्य है कि हम अपने विकास की गति को तेज करने के लिए हर संभव प्रयास करें और इसके लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अपरिहार्य है।"

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से नीति-निर्माण होगा और प्रभावी, विकसित भारत को मिलेगी गति

प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन जल्द पारित करने की अपील, देरी को बताया अन्याय

वंदन अधिनियम पारित हुआ था और इसी सिद्धांत के कारण यह संविधान संशोधन समय की आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए विधायी निकायों में उनकी हिस्सेदारी बढ़ना उचित है। उन्होंने कहा कि संसद की तीन दिवसीय बैठक 16 अप्रैल से शुरू हो रही है और इसमें 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधनों को पारित किया जाना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की और अधिक देरी दुर्भाग्यपूर्ण एवं भारत की महिलाओं के साथ घोर अन्याय जैसा होगा। प्रधानमंत्री ने अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किए गए पत्र में

कहा, "यदि 2029 के लोकसभा चुनाव और उस वर्ष होने वाले विभिन्न विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के पूर्ण रूप से लागू होने के साथ कराए जाते हैं, तो हमारा लोकतंत्र और अधिक मजबूत तथा जीवंत बनेगा।" मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि देश की महिलाएं अगले कुछ दिनों में संसद में संविधान संशोधन विधेयक के पारित होने का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश की बेटियों को उनके इस अधिकार के लिए अनंतकाल तक इंतजार नहीं कराया जा सकता। उन्होंने कहा, "जब हमारी विधायिकाओं में महिलाओं की आवाज और मजबूत होती है, तो लोकतंत्र की आवाज भी और अधिक सशक्त हो जाती है।" उन्होंने कहा, "मैं संसद की अगली बैठक और संविधान संशोधन के पारित होने के लिए आपका तथा भारत की करोड़ों महिलाओं का आशीर्वाद चाहता हूँ। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि अपने स्थानीय सांसदों को पत्र लिखें और उनसे इस ऐतिहासिक संसद सत्र में भाग लेने का अनुरोध करें।" उन्होंने महिलाओं से कहा कि वे सांसदों को याद दिलाएं कि वे ऐसा काम करने जा रहे हैं जिसका प्रभाव आने वाली सदियों तक महसूस किया जाएगा।

पश्चिम एशिया युद्ध पर गुतारस ने कहा

रातोंरात समझौते नहीं होते, बातचीत जारी रहनी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारस ने इरान और अमेरिका के बीच रचनात्मक बातचीत जारी रखने के आह्वान के साथ ही इस बात पर जोर भी दिया

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतारस के प्रयत्न द्वारा सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया, "हालांकि पाकिस्तान द्वारा इस्लामाबाद में आयोजित वार्ता में अमेरिका और

इरान के बीच कोई समझौता नहीं हुआ, लेकिन चर्चाओं ने स्वयं उनकी प्रतिबद्धता की गभीरता को रेखांकित किया और नए सिरे से संवाद की दिशा में एक सकारात्मक और सार्थक कदम उठाया गया।" वेंस ने इस्लामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, "उन्होंने हमारी शर्तें स्वीकार नहीं की हैं... हम देखेंगे कि हमारे प्रस्ताव को इरानी स्वीकार करते हैं या नहीं।" गुतारस ने कहा कि गहरे मतभेदों को देखते हुए "रातोंरात समझौता नहीं हो सकता" और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के नेतृत्व में अमेरिका और इरान के बीच पाकिस्तान में शनिवार को 21 घंटे तक बातचीत हुई हालांकि इसमें युद्ध समाप्त करने को लेकर कोई समझौता नहीं हो सका। संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतारस के प्रयत्न द्वारा सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया, "हालांकि पाकिस्तान द्वारा इस्लामाबाद में आयोजित वार्ता में अमेरिका और

15-04-2026 16-04-2026
सूर्योदय 6:21 बजे सूर्यास्त 5:55 बजे

BSE 76,847.57 (-702.68) NSE 23,842.65 (-207.95)

सोना 15,850 रु. (24 कैरर) प्रति ग्राम चांदी 250,000 रु. प्रति किलो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। इरान और अमेरिका को बातचीत की भेज पर फिर से लाने के लिए पाकिस्तान उच्च स्तर पर कोशिश कर रहा है और दोनों पक्ष अगले सप्ताह तक इस्लामाबाद में वार्ता के दूसरे दौर के लिए फिर से मिल सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

श्री चिनफिंग ने पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता के सम्मान का आह्वान किया

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के देशों की संप्रभुता, सुरक्षा एवं क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान किया जाना चाहिए।

शी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी के युवराज शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात के दौरान कहा कि सभी देशों के कर्मियों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों की सुरक्षा प्रभावी

अगले सप्ताह वार्ता के लिए इस्लामाबाद में मिल सकते हैं अमेरिका और इरान के प्रतिनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

पाकिस्तानी मीडिया ने मंगलवार को यह खबर दी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने उच्च पदस्थ स्रोतों के हवाले से खबर दी कि अमेरिका और इरान के बीच रुकी हुई वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए संपर्क जारी है और 21 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम की समाप्ति से पहले बातचीत दोबारा शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री इशहाक डार और

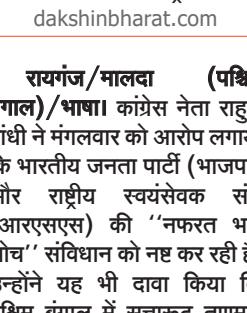
फील्ड मार्शल आसिम मुनीर दूसरे दौर की वार्ता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, जिससे पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त हो सकता है। इस्लामाबाद में आयोजित कुछ उच्च स्तरीय बैठकों में, दोनों पक्षों के शीर्ष नेतृत्व के बीच वार्ता के अगले दौर की तैयारी के संकेत दिए गए हैं। अमेरिका और इरान ने गत सप्ताह 47 वर्षों में पहली बार सीधी बातचीत की थी।

तरीके से सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के लिए साझा, व्यापक, सहयोगात्मक और टिकाऊ सुरक्षा ढांचे के निर्माण की भी वकालत की। शी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन का प्राधिकार बरकरार रखा जाना चाहिए, ताकि दुनिया फिर से जंगलराज की स्थिति में न लौटे। उन्होंने कहा कि विकास और सुरक्षा के बीच समन्वय होना चाहिए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया

संविधान को नष्ट कर रही है भाजपा-आरएसएस की 'नफरत भरी सोच'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



रायगंज/मालवा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की "नफरत भरी सोच" संविधान को नष्ट कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस राज्य के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है। उत्तर दिनाजपुर, मालवा और मुर्शिदाबाद जिलों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि बंगाल के निवासी "नफरत फैलाने वाली" भाजपा और जनविरोधी तृणमूल कांग्रेस के बीच फंसे हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस को जनता के कल्याण के लिए एकमात्र विकल्प बताया। गांधी ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली



सरकार के "भ्रष्टाचार और गलत शासन नीतियों" में लिप्त होने से राज्य में भाजपा के प्रभाव के प्रसार का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा, "अगर तृणमूल ने हिंसा न की होती और सुशासन दिया होता, तो भाजपा यहां पैर भी नहीं जमा पाती।" कांग्रेस नेता ने कहा, "मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पांच लाख लोगों को नौकरियों देने का वादा किया था। लेकिन 84 लाख युवाओं ने बेरोजगारी भते के लिए आवेदन किया है।"

क्षेत्र के दिवंगत कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रियरंजन दासमुंशी को याद करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यदि दासमुंशी जीवित होते, तो "यह कांग्रेस शासित बंगाल के मुख्यमंत्री होते।" गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए उन पर "नफरत भरी सोच" से संविधान को नष्ट करने और "वोट चोरी में लिप्त" होने का आरोप भी लगाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ महिलाओं के प्रतिनिधित्व की दिशा में ऐतिहासिक कदम : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को ‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ का विधायी निकायों में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने और देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम करार दिया।

केंद्रीय मंत्री रक्षा खड्गे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं

में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के प्रावधान वाला यह अधिनियम केवल महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए नहीं है, बल्कि फैसेल लेने में उनकी अधिक भूमिका का विस्तार करने के लिए भी है। खड्गे ने कहा कि सरकार इस अधिनियम को जल्द से जल्द लागू करने की दिशा में काम कर रही है, जिसके लिए 16 से 18 अप्रैल तक संसद की बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा, यह भारत के लोकतंत्र में लिए गए सबसे ऐतिहासिक फैसलों में से एक है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के नेतृत्व



देश की सभी महिलाओं के लिए एक निर्णायक कदम के रूप में उठाया गया है। खड्गे ने कहा, आज महिलाएं लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में खुद अपना प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इस

अधिनियम के तहत लोकसभा और विधानसभाओं की 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएगी। यह अधिनियम केवल सीटों की संख्या बढ़ाने के बारे में नहीं है, बल्कि फैसेल लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की मजबूत भूमिका सुनिश्चित करने के बारे में भी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की नींव 2014 में रखी गई थी, जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। खड्गे ने कहा, हालांकि, इस फैसेल को अब लागू किया जा रहा है, लेकिन इसकी नींव 2014 में रखी गई थी, जब प्रधानमंत्री ने लाल

किले की प्राचीर से महिलाओं से संबंधित मुद्दों को संबोधित करना शुरू किया था, जिसके बाद कई पहलों की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत में महिलाओं की हिस्सेदारी पहले से ही लगभग 50 फीसदी है और उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। खड्गे ने कहा, जब हम एक विकसित भारत की बात करते हैं, तो नीति निर्माण में महिलाओं की बहुत अहम भूमिका होगी। चुनावों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पहले से ही 50% है और हाल के वर्षों में उनकी भागीदारी बढ़ रही है।



बिहार: राजग विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी ने सरकार गठन का दावा पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायक दल के नेता चुने गए सम्राट चौधरी ने राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया।

चौधरी राजग नेताओं के साथ राजभवन पहुंचे, जहां उन्होंने राज्यपाल संयद अता हुसैन के समक्ष औपचारिक रूप से सरकार गठन का दावा प्रस्तुत किया।

इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नित्यानंद राय, ललन सिंह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के

बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, मंत्री विजय चौधरी, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा तथा हिंदुस्तान अवाम मोर्चा (हम) के संतोष सुमन समेत कई नेता मौजूद थे। राजभवन में सरकार गठन से संबंधित आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं, जिसके साथ ही नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई।

सूत्रों के अनुसार चौधरी 15 अप्रैल को पूर्वाह्न लगभग 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। हालांकि, इसकी औपचारिक घोषणा होनी अभी बाकी है, लेकिन तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं।

बंगाल को विभाजित किये बिना गोरखा समस्या का संवैधानिक रूप से समाधान करेंगे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगारामपुर/मालिकचक (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल की सत्ता में आती है तो दार्जिलिंग पहाड़ियों में निवास करने वाले गोरखा समुदाय के मुद्दे का वह राज्य का विभाजन किए बिना संवैधानिक तरीके से समाधान करेगी। दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में उल्लेख किया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, “मैं दार्जिलिंग के अपने गोरखा भाइयों से कहना चाहता हूँ कि सत्ता में आने पर भाजपा न केवल पहाड़ियों में एक पर्यावरण-अनुकूल रोमांचक खेल केंद्र विकसित करेगी, बल्कि राज्य को विभाजित किए बिना संवैधानिक तरीके से गोरखा मुद्दे का समाधान भी करेगी।”

दार्जिलिंग की पहाड़ियों में रहने वाले



नेपाली भाषी लोग करीब एक सदी से गोरखालैंड नाम से अलग प्रदेश की मांग की रहे हैं और कई बार उनका आंदोलन हिंसक रूप ले चुका है।

दार्जिलिंग के उपरी इलाकों और तराई के कुछ हिस्सों के प्रशासन के लिए 2011 में अर्ध-स्वायत्त गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन (जीटीए) के गठन के बावजूद, 2017 तक हिंसक आंदोलन होते रहे। इस क्षेत्र में गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) और गोरखा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा (जीएनएफएम) जैसी स्थानीय गोरखा पार्टियों और भाजपा तथा तुंगभूल कांग्रेस जैसे बड़े दलों के बीच राजनीतिक साझेदारी को लेकर

कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। इस इलाके में अलग गोरखालैंड की मांग हमेशा से राजनीति के केंद्र में रही है। इस महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में तुंगभूल कांग्रेस ने बिमल गुरुंग नीत जीजेएम से अलग हुए गुट, अनित थापा के नेतृत्व वाले भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजेएम) के साथ गठबंधन किया है और दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कुर्सियोंग की सीटें अपने सहयोगी दल के लिए छोड़ दी हैं। दूसरी ओर, भाजपा ने एक बार फिर अपने पूर्व सहयोगी गुरुंग का समर्थन प्राप्त किया है। हालांकि इस बार वह इस क्षेत्र से सीधे चुनाव लड़ रही है।

पश्चिम बंगाल में भय का माहौल, हत्याएं, बलात्कार, दंगे व राजनीतिक हिंसा चरम पर : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भय का माहौल है, जहां हत्या, बलात्कार, दंगे और राजनीतिक हिंसा के घटनाएं चरम पर पहुंच गई हैं।

मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोगों के बीच भाजपा को लेकर ऊर्जा और उत्साह वास्तव में उल्लेखनीय है।

मोदी ने ‘मेरा बूथ, सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पश्चिम बंगाल के कार्यकर्ताओं से डिजिटल माध्यम से संवाद करते हुए कहा कि राज्य के लोग वाम मोर्चा के शासन में हुए अत्याचारों से मुक्ति पाने के लिए तुंगभूल कांग्रेस (टीएमसी) को सत्ता में लाए थे, लेकिन ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार अपनी पूर्ववर्ती सरकारों से भी आगे निकल गई है। मोदी ने कहा कि उन्हें पूरे पश्चिम बंगाल में भय का माहौल दिखाई दे रहा है, जहां युवा नौकरी को लेकर चिंतित हैं, आलू किसान टीएमसी के सिंडिकेट से डरते हैं और सरकारी कर्मचारियों को अपने अधिकार पाने के लिए अदालत का सहारा लेना पड़ता है। उन्होंने कहा, बंगाल में भय का वातावरण है। हत्याएं, बलात्कार, दंगे और राजनीतिक हिंसा अपने चरम पर हैं। हर कोई बहुत परेशान



है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी शासन को कट-मनी सरकार करार देते हुए कहा कि यह आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दे दिया है। मोदी ने यह दावा भी किया कि सुरक्षाबलों के कारण पश्चिम बंगाल के लोगों में बढ़ी चिंता है। उन्होंने कहा, कई क्षेत्रों में वे जनसांख्यिकी के लिए खतरा बन गए हैं। मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में उन्हें पश्चिम बंगाल के हर हिस्से में जाने और लोगों से मिलने का अवसर मिला, और उनके बीच भाजपा के प्रति जो ऊर्जा, उत्साह व जोश उन्होंने देखा, वह वास्तव में उल्लेखनीय है।

मोदी ने कहा, यह आप सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हर कार्यक्रम में मैं आपकी मेहनत देखता हूँ और समाज के सभी वर्ग सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। यह अपने आप में बहुत उत्साहजनक अनुभव है।

रामायण में उल्लेखित गाजियाबाद का लोनी दुनिया में सबसे प्रदूषित जगह होने की वजह से चर्चा में

लोनी (गाजियाबाद)/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के लोनी इलाके का उल्लेख रामायण में उस स्थान के तौर पर किया गया है जहां लक्ष्मण ने शूर्पणखा की नाक काटी थी, लेकिन इन दिनों यह शहर दुनिया का सबसे प्रदूषित स्थान होने की वजह से चर्चा में है।

आईक्यूएयर द्वारा जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट-2025 में 143 देशों के 9,400 से अधिक शहरों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया और पाया गया कि लोनी में पीएम2.5 की वार्षिक औसत सांद्रता 112.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित सुरक्षित सीमा से 22 गुना अधिक है।

कारणों पर यह आंकड़ा चिंताजनक प्रतीत होता है, लेकिन जमीनी स्तर पर लोनी में सब कुछ सामान्य है। शहर के किसी भी सड़क पर जाएं तो यातायात धीमा होने लगता है। सड़क के दोनों ओर पुरानी इमारतें और दुकानें हैं, जिनकी बाहरी दीवारें समय के साथ काली पड़ गई हैं। ईट-भट्टे, रंगाई और धातु प्रसंस्करण इकाइयां, प्रदूषण फैलाने वाले ईंधनों से चलने वाली अनधिकृत औद्योगिक इकाइयां, जहरीले ई-कचरे का अंधाधुंध दहन - इन सबसे प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है।



तार्किक विसंगति निर्वाचन आयोग के प्रारूप के तहत मान्य नहीं : ममता बनर्जी का आरोप

कोलकाता/भाषा। तुंगभूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तार्किक विसंगति निर्वाचन आयोग के तहत आधिकारिक रूप से मान्य नहीं है और इसका इस्तेमाल बिहार के विपरीत पश्चिम बंगाल में चुनिंदा दंग से भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया है। पश्चिम मेदिनीपुर के पिंगला, पूर्व मेदिनीपुर के तमलुक और हावड़ा के डोमजूर में जनसभाओं को संबोधित करते हुए बनर्जी ने महिलाओं से अपील की कि यदि लोगों को मतदान से रोकने की कोशिश की जाए तो वे डेटकर मुकाबला करें। उन्होंने हालांकि यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी प्रकार की हिंसा के लिए नहीं कह रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, “निर्वाचन आयोग के ढांचे में तार्किक विसंगति” जैसा कोई आधिकारिक शब्द नहीं है। इसे बिहार के विपरीत पश्चिम बंगाल में चुनिंदा तरीके से लागू किया जा रहा है ताकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाया जा सके।” उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, “मैंने ऐसी ‘ओष्ठी पार्टी’ कभी नहीं देखी। बनर्जी ने कहा, “केंद्रीय बलों का काम शांति बनाए रखना है, हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अगर वे लोगों को वोट डालने से रोकेंगे तो क्या होगा? मैं महिलाओं से अनुरोध करूंगी कि वे अपने हाथों में झाड़ू रखें और बूट पहनें एवं हथियार लिए लोगों के खिलाफ मजबूती से खड़ी हों। मैं किसी को हमला करने या दंगा भड़काने के लिए नहीं कह रही, लेकिन अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आपको हर संभव प्रयास करना होगा। मैंने आपके अधिकारों की रक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय तक में याचिका दायर की, और उसके बाद ही 32 लाख मतदाताओं के नाम दर्ज किए गए।”

सरकारी आवासीय स्कूल में खाना खाने के बाद 100 से अधिक छात्र बीमार पड़े, एक की मौत

बारिपदा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले में सरकार द्वारा संचालित आदिवासी आवासीय स्कूल में भोजन करने के दो दिन बाद मंगलवार को कक्षा पांचवीं की एक छात्रा की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, छात्रा के 100 से अधिक सहपाठी भी खाना खाने के बाद बीमार पड़ गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, काकण्डा आराम स्कूल के छात्रों ने रविवार सुबह अधिकृत मेन्यू में शामिल नहीं किए गए खाद्य पदार्थ के सेवन के बाद असहजता की शिकायत की और वे बीमार पड़ गए। प्रभावित छात्रों के अभिभावकों ने दावा किया कि बच्चों ने खमीरी चावल (पखाला), मसले हुए आलू और आम की चटनी खाई थी, जिसके बाद उन्हें दर्द और उल्टी होने लगी। अधिकारियों ने बताया कि 100 से अधिक छात्र बीमार पड़ गए और उन्हें स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से 67 छात्रों को गंभीर हालत में बारिपदा स्थित पीएमआर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। मयूरभंज जिले की कलेक्टर हेमा कांता साय ने बताया, पांचवीं कक्षा की छात्रा रुपाली बेसरा को सोमवार को अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। चिकित्सा सहायता के बावजूद मंगलवार सुबह उसकी मृत्यु हो गई।

जातिगत भेदभाव खत्म होने तक जारी रहे आरक्षण: विहिप प्रमुख

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि जब तक भारतीय समाज में थोड़ा भी जातिगत भेदभाव बाकी है, तब तक देश में आरक्षण की व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। उन्होंने संविधान को “वर्तमान युग की स्मृति” करार देते हुए यह भी कहा कि मानव मात्र की समानता के खिलाफ किसी भी ग्रंथ में लिखी गई हर बात को अस्वीकार किए जाने की जरूरत है। यहां ‘स्मृति’ का मतलब विद्वानों द्वारा समाज के लिए बनाए गए नियम-कायदों पर आधारित ग्रंथ है। कुमार, संविधान निर्माता डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर उनकी जन्मस्थली महु में राज्य सरकार के आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। कुमार ने विहिप के कार्यक्रम के दौरान साधु-संतों के पारित पुराने प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी मनुष्य बराबर हैं और मनुष्यों में ‘छोटा-बड़ा’ व ‘छूत-अछूत’ के सामाजिक भेदभाव भारतीय अध्यात्म के अंग नहीं हैं। जातिगत अन्याय की एक भी घटना पूरे देश के लिए शर्मनाक बात होती है। कुमार ने सरकारी शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में जातिगत आरक्षण की व्यवस्था की ओर इशारा करते हुए कहा, “हमारा स्पष्ट मत है कि यह आरक्षण प्रायश्चित्त है और जब तक कहीं थोड़ा भेदभाव है, तब तक आरक्षण की आवश्यकता है। इसको (आरक्षण व्यवस्था) चलते रहना चाहिए।”

आईसीसी ने संजू सैमसन को मार्च महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत की टी20 विश्व कप की जीत के नायक संजू सैमसन को मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का मार्च महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना गया।

सैमसन को इस प्रतियोगिता के शुरूआती मैचों में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी लेकिन बाद में जब उन्हें टीम में शामिल किया गया तो उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 46 गेंदों पर 89 रन बनाकर भारत को इस साल की शुरुआत



में लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीतने में मदद की थी। सैमसन को मासिक सम्मान मिलने का मतलब है कि पिछले पांच महीनों में यह पुरस्कार किसी दूसरे देश के खिलाड़ी ने हासिल किया है। इस श्रेणी में पिछले चार खिलाड़ी साइनम हार्मर (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया), डैरिल मिचेल (न्यूजीलैंड)

और साहिबजादा फरहान (पाकिस्तान) शामिल हैं। सैमसन ने इस प्रदर्शन को अपने करियर का महत्वपूर्ण दौर करार दिया। उन्होंने कहा, “आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करना अविश्वसनीय अहसास है, विशेषकर इसलिए क्योंकि यह मेरे क्रिकेट करियर के सबसे अविस्मरणीय दौर में मिला है। पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की जीत में योगदान देना सचमुच एक सपने के साकार होने जैसा था और उस पल के महत्व को पिछले पांच महीनों में यह पुरस्कार किसी दूसरे देश के खिलाड़ी ने हासिल किया है। इस श्रेणी में पिछले चार खिलाड़ी साइनम हार्मर (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया), डैरिल मिचेल (न्यूजीलैंड)

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट के चयन पर प्रशांत किशोर का तंज, कहा- अब बिहार गुजरात से संचालित होगा

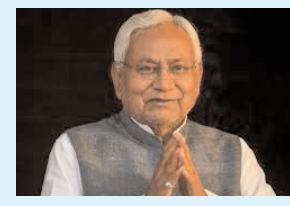
पटना/भाषा। बिहार में नए मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर ने भाजपा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि अब बिहार “गुजरात से संचालित होगा।” किशोर ने एक बयान जारी कर कहा, “ज्ञान की भूमि बिहार को ‘चाल, चरित्र और चेहरा’ का दावा करने वाली भाजपा की यह पहली संगीत है कि ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया गया है, जिसका चाल, चरित्र और चेहरा तीनों ही चर्चा का विषय होना चाहिए।”

उन्होंने आरोप लगाया कि अब राज्य को बाहरी प्रभाव से संचालित किया जाएगा। किशोर ने कहा, “यह नई भाजपा है, जिसने दिखा दिया है कि अब बिहार को गुजरात से चलाया जाएगा।” सम्राट चौधरी का नाम लिए बिना तंज करते हुए उन्होंने कहा कि यहां व्यक्ति नहीं, बल्कि नियंत्रण महत्वपूर्ण होगा। किशोर ने कहा, “यहां मुख्यमंत्री बने हैं, व्यक्ति का दाल नहीं है। उनकी चाबी या नियंत्रण अमित शाह के पास होगा।” उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की प्राथमिकता ऐसी स्थिति बनाए रखना है, जिसमें बिहार के युवाओं को कम वेतन पर काम करने के लिए अन्य राज्यों, विशेषकर गुजरात जाना पड़े। आने वाले समय में गुजरात के लोग उद्योगों के मालिक होंगे, जबकि बिहार के लोग वहीं मजदूर बने रहेंगे।

इस्तीफे के बाद नीतीश ने राज्य के लोगों का आभार जताया

नई सरकार को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया

पटना/भाषा। बिहार के निवर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद राज्य के लोगों का आभार जताया और नई सरकार को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया।



कुमार ने सोशल मीडिया मंच ‘व्हाट्स’ पर लिखे संदेश में कहा, “आप जानते हैं कि 24 नवंबर 2005 को राज्य में पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बनी थी। तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार विकास के काम में लगे हुए हैं।” उन्होंने कहा, “सरकार ने शुरू से ही सभी तबकों का विकास किया है चाहे हिंदू, मुस्लिम हो, ‘अपर कास्ट’ हो, पिछड़ा हो,

अति पिछड़ा हो, दलित हो, महादलित हो- सभी के लिए काम किया गया है। हर क्षेत्र में काम हुआ है चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो, कृषि हो। महिलाओं एवं युवाओं के लिए भी बहुत काम किया गया है।” जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, “इन दिनों काम को आगे बढ़ाया गया है। अगले पांच वर्षों यानी 2025 से 2030 के लिए सात निश्चय-3 का गठन

समानता और न्याय की लड़ाई में आंबेडकर का दृष्टिकोण सबसे महत्वपूर्ण : कन्हैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि समानता और न्याय की लड़ाई में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के दृष्टिकोण एवं विचार आज भी सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा आंबेडकर जयंती पर आयोजित ‘सामाजिक न्याय सम्मेलन’ में यह भी कहा कि जाति व्यवस्था आज भी समाज में अक्सर और पहुंच को प्रभावित करती है।



हुए कहा, “समानता और न्याय की लड़ाई में उनका दृष्टिकोण आज भी केंद्रीय महत्व रखता है।” एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि आंबेडकर के विचारों की स्थायी प्रासंगिकता है। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने भारतीय संविधान के माध्यम से देश को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मार्ग दिखाया। उनका जीवन सामाजिक न्याय, शिक्षा और अधिकारों के संघर्ष के लिए आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

रांची में दोस्त की जन्मदिन पार्टी में महिला दल चिकित्सक के साथ दुष्करम

रांची/भाषा। झारखंड के रांची जिले में जन्मदिन की पार्टी में एक व्यक्ति ने पहले एक महिला दल चिकित्सक को कथित तौर पर नशीला पदार्थ पिलाया और उसके बाद उसके साथ दुष्करम किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना नौ अप्रैल की है, जब पीड़ित महिला (25) लालपुर थाना क्षेत्र के एक अपार्टमेंट में अपने एक पुरुष मित्र के जन्मदिन समारोह में गई थी। पुलिस ने बताया कि मेजबान के एक मित्र ने कथित तौर पर महिला का यौन उत्पीड़न किया। लालपुर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी रुपेश कुमार सिंह ने कहा, “पीड़िता के बयान के आधार पर हमने 13 अप्रैल को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। पीड़िता की चिकित्सा जांच की जा चुकी है।”

भाजपा में मुख्यमंत्री के चयन के लिए प्रक्रिया सिर्फ नौटंकी, ‘दो व्यक्ति’ करते हैं फैसला : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दल के नेता के तौर पर सम्राट चौधरी को चुने जाने के बाद मंगलवार को दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी में मंत्री या मुख्यमंत्री के चयन के लिए प्रक्रिया के नाम पर नौटंकी होती है, क्योंकि नाम ‘दो व्यक्ति’ पहले ही तय कर लेते हैं।

पार्टी नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने यह भी कहा कि भाजपा के विपरीत कांग्रेस में किसी भी नेता के चयन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन होता है और विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श होता है। बिहार में मंगलवार को सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। इसके साथ ही स्पष्ट हो गया है कि बिहार में बनने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)



की नई सरकार में सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभालेंगे। इस बारे में पूछे जाने पर उदित राज ने कांग्रेस कार्यलय में संवाददाताओं से कहा, “भाजपा में यह सब (नेता का चयन) नौटंकी होती है। कौन मंत्री बनेगा, कौन मुख्यमंत्री बनेगा, कौन पर्यवेक्षक बनेगा, इसको लेकर कई दिनों तक चर्चा होती है। यह सब नाटक है। भाजपा में लोकतंत्र नहीं है।” उन्होंने दावा किया, “जिसको बनाया होता है, उस बारे में दो व्यक्ति फैसला कर लेते हैं और बनने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)

सुविचार

नारी शक्ति ही समाज का आधार है। सम्मान केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन उनका हक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्म का ज्ञान बनेगा कवच

देश की एक महान् आईटी कंपनी में कई महिलाओं द्वारा दर्जनभर सहकर्मियों पर यौन उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने के आरोपों का मामला अत्यंत गंभीर है। इसकी निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यह दुर्भाग्य का विषय है कि भारत के बहुसंख्यक समाज में आज भी कई लोग अपने बच्चों को धर्म के बारे में कोई जानकारी नहीं देते। वे सिर्फ यही चाहते हैं कि हमारे बच्चे पढ़ें, लिखें और बहुत सारे रुपये कमाएं। पढ़ाई करना और धन कमाना गलत नहीं है। ये जीवन की जरूरतें हैं, लेकिन ये ही जीवन नहीं है। जिन बच्चों को अपने धर्म की पर्याप्त जानकारी नहीं होती, वे दूसरों के बहकावे में बहुत जल्दी आते हैं। कई माता-पिता सोचते हैं कि हमने बच्चों का एडमिशन अच्छे स्कूल या कॉलेज में करा दिया, बढिया मोबाइल फोन दे दिया, महंगा लैपटॉप थमा दिया तो हमारा कर्तव्य पूरा हो गया। वे उन्हें वेदों के बारे में कुछ नहीं बताते। घरों में कोई धार्मिक ग्रंथ नहीं रखते। अगर रखते भी हैं तो उन पर कभी चर्चा नहीं करते। भगवान के विभिन्न अमलतों के बारे में कभी बात नहीं करते। हमारे तीर्थों का क्या महत्व है, इसकी जानकारी नहीं देते। अगर बच्चा पूछता है तो जवाब मिलता है- 'ये सब बुढ़ापे में सीख लेना, अभी पढ़ाई करो, नौकरी ढूँढो।' क्या होगा अगर आपका बच्चा पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करे, उसे बड़ी कंपनी में नौकरी मिल जाए और एक दिन कोई उसके मन में आपके और धर्म के खिलाफ जहर भर दे? यह एक मामूली सवाल नहीं है। पूर्व में भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जब अपने धर्म के ज्ञान से विचलित अनजान व्यक्ति को किसी और ने जाल में फंसा लिया!

हाल में उत्तर प्रदेश के एक पुलिस कांस्टेबल का मामला चर्चा में रहा, जिस पर एक महिला धर्मांतरण के लिए दबाव डाल रही थी। उसने कांस्टेबल के कागजात तक बनवा दिए थे और एक जमात में शामिल होने के लिए कह रही थी। जब कांस्टेबल ने इससे इंकार किया तो उसे दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। आखिर में उस कांस्टेबल को पुलिस की ही मदद लेनी पड़ी और महिला को गिरफ्तार किया गया। जब एक कांस्टेबल के साथ यह हो सकता है तो आम आदमी कितना सुरक्षित है? ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के एक मेडिकल विद्यालय का है, जहां एक डॉक्टर पर यौन उत्पीड़न, आपत्तिजनक वीडियो बनाने और धर्मांतरण के लिए दबाव डालने के आरोप लगे थे। एक पाखंडी शख्स बाबा बनकर धर्मांतरण का गैंग चलाता पकड़ा गया था। उसके खिलाफ अदालतों में कई मामले हैं। उसने धर्मांतरण को धंधा बना लिया था। लोग उसके जाल में फंसाते जाते थे और वह उनका शोषण करता था। धर्मांतरण के पक्ष में यह कुतर्क खूब दिया जाता है- 'आज सब पढ़े-लिखे लोग हैं। कोई बहला-फुसलाकर किसी का धर्मांतरण कैसे करा सकता है?' अगर धर्मांतरण के मामलों पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि निरक्षर और उच्च शिक्षित, दोनों ही तरह के लोगों को फंसाया जा सकता है। हां, उच्च शिक्षित व्यक्ति से यह उम्मीद जरूर की जाती है- 'आज नहीं-गलत की जानकारी ज्यादा होगी, लेकिन कई बार ऐसे लोग भी धोखे के शिकार हो जाते हैं। एक बहुचर्चित मामले में पीड़ित युवती ने स्वीकारा था कि प्रेम के वशीभूत होकर अपने सहकर्मी से शादी की थी। इसके लिए धर्मांतरण किया, जिसका उसके माता-पिता ने काफी विरोध किया था। उसे बहुत समझाने की कोशिश की, लेकिन युवती नहीं मानी। शादी के बाद पता चला कि उसे जो सुनहरे सपने दिखाए गए थे, वे सब झूठे थे। ससुराल पक्ष ने उस युवती की सारी बचत हड़प ली और मनमानी शर्तें थोपने लगे थे। आखिर में उसे अपने मां-बाप के पास आना पड़ा। अगर अपने बच्चों को ऐसी घटनाओं से बचना चाहते हैं तो उन्हें धर्म का ज्ञान जरूर दें। यह सोचकर अति-आत्मविश्वास न पालें कि 'ऐसा दूसरों के साथ हो सकता है, हमारे साथ नहीं हो सकता है।' मुसीबत कभी सूचना देकर नहीं आती। अपने धर्म का ज्ञान ही आपका कवच बनेगा।

ट्वीटर टॉक

सद्गुरु आश्रम के पूज्य श्री पंडित राजकुमार शर्मा जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। ईश्वर आपको हमेशा अच्छी सेहत, लंबी उम्र और बेशुमार एनर्जी दे, और आप इसी लगन से सनातन धर्म और अध्यात्म के प्रचार-प्रसार में आगे बढ़ते रहें।

-वसुंधरा राजे

मैंने मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या के साथ बेंगलूरु में केपीसीस ऑफिस के भारत जोड़ो भवन में हुए संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर, मैंने बाबासाहेब की तस्वीर पर फूल चढ़ाए और वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया।

-डीके शिवकुमार

ज्ञान के प्रतीक, भारतीय संविधान के निर्माता और सामाजिक समरसता के प्रणेता 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

चुगली का पलटवार

चाणक्य के आश्रम में एक शिष्य था, जिसे दूसरों की बातें इधर-उधर पहुंचाकर अलग मिलता था। उसकी एक आदत ने पूरे आश्रम का माहौल बदल दिया था। वह जो बातें सुनता था, वे ही चुगली के तंतु बनकर फैलने लगे। एक दिन चाणक्य ने उसे पास बुलाया और बिना कुछ कहे एक तक्रिया थमा दिया। बोले 'जाओ, पूरे गांव में घूमो और इसकी रूई को हवा में उड़ाते जाओ।' शिष्य को यह अजीब लगा, लेकिन उसने वैसा ही किया। जब वह लौटकर आया, तो चाणक्य ने शांत स्वर में कहा 'अब जाओ, उन सारे रूई के टुकड़ों को वापस इकट्ठा करके ले आओ।' शिष्य हंस पड़ा 'गुरुजी, यह कैसे संभव है? वे तो हवा में बिखर गए होंगे।' चाणक्य ने कहा 'जैसे ये रूई के टुकड़े हवा में फैलकर कभी वापस नहीं आ सकते, वैसे ही तुम्हारे शब्द भी लोगों के दिलों में फैल जाते हैं। तुम एक पल के आनंद के लिए जो चुगली करते हो, वही आनंद कभी तुम्हारे लिए पलटवार बनकर लौटता है। तब चाहकर भी तुम उसे समेट नहीं पाओगे।' यह सुनते ही शिष्य का सिर झुक गया। उसे समझ आ गया कि उसका 'आनंद' वास्तव में दूसरों के दर्द की कीमत पर था।

सामयिक होर्मुज की नाकेबंदी से टूटती अनगिनत उम्मीदें

महेन्द्र तिवारी मोबाइल : 9454105568

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के नक्शे पर महज एक संकरी रेखा है, लेकिन इस रेखा के दोनों किनारों पर आज जो ताकतें आमने-सामने खड़ी हैं, उनकी टकराव की गूँज पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की नींव तक पहुँच रही है। होर्मुज नाकेबंदी का यह संकट केवल दो देशों के बीच के सैन्य टकराव की कहानी नहीं है। यह उस पूरी व्यवस्था के दरकने की कहानी है जिस पर पिछले कई दशकों से वैश्विक व्यापार की रफ्तार, ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता और करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी टिकी हुई है। इस संकट की पृष्ठभूमि फरवरी 2026 के अंत में बनी जब अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने ईरान पर सैन्य हमले किए। ईरान ने इसके जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश की और वहाँ से गुजरने वाले जहाजों पर नियंत्रण की कोशिशें तेज कर दीं। यह वही जलमार्ग है जिससे सामान्य परिस्थितियों में विश्व के समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत गुजरता है। इसके बाद पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शांति वार्ताओं का एक लंबा दौर चला। सप्ताहों तक कूटनीतिक मेज पर बातचीत होती रही लेकिन जब ये वार्ताएँ बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गईं तो 13 अप्रैल 2026 को भारतीय समयानुसार शाम लगभग 7 बजकर 30 मिनट पर अमेरिका ने ईरान के सभी प्रमुख बंदरगाहों पर समुद्री नाकेबंदी लागू कर दी। इस एक घण्टा ने पूरी दुनिया की आर्थिक नब्ब को झकझोर कर रख दिया। नाकेबंदी को सीमित रखने की कोशिश की गई। अमेरिकी सैन्य कमान ने स्पष्ट किया कि यह केवल उन जहाजों पर लागू होगी जो ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करते हैं या वहाँ से बाहर निकलते हैं। खाड़ी के अन्य देशों के बीच आवागमन को बाधित नहीं किया जाएगा। उद्देश्य यह था कि ईरान की तेल निर्यात क्षमता को कुचला जाए लेकिन वैश्विक व्यापार पूरी तरह ठप न हो। किंतु यह सीमित रणनीति भी बाजारों को स्थिर नहीं रख सकी। जैसे ही नाकेबंदी की घोषणा हुई, कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई और कुछ ही घंटों में यह 101 से 104 डॉलर प्रति बैरल के बीच पहुँच गई। यह केवल तत्काल बाजार प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि इसमें आने वाले महीनों की गहरी अनिश्चितता का डर भी शामिल था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि यह संकट लंबा खींचा तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। ईरान की जवाबी चालों ने समुद्री व्यापार को जड़ से हिला दिया। सैकड़ों जहाज खाड़ी के बाहर



अमेरिका की इस नाकेबंदी के पीछे केवल सैन्य उद्देश्य नहीं है। इसका मकसद ईरान को आर्थिक रूप से इतना दबाना है कि वह वार्ता की मेज पर वापस आने को मजबूर हो जाए। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि आर्थिक नाकेबंदी हमेशा वैसा असर नहीं करती जैसी उम्मीद होती है। कभी-कभी दबाव में आकर देश और अधिक कठोर रुख अपना लेते हैं।

लंगर डाले प्रतीक्षा करते रहे। लाखों बैरल तेल समुद्र में ही अटका रहा। अनुमान है कि प्रतिदिन लगभग 20,00,000 बैरल ईरानी तेल की आपूर्ति इस नाकेबंदी से प्रभावित हो सकती है। यह आँकड़ा वैश्विक बाजार के लिए किसी गहरे घाव से कम नहीं है। जब इतनी बड़ी मात्रा में तेल आपूर्ति अचानक बाधित होती है तो उसकी प्रतिस्पर्धित्व केवल पेट्रोल पंपों पर नहीं बल्कि हर उस चीज की कीमत पर सुनाई देती है जिसे बनाने, उगाने या पहुँचाने में ऊर्जा की जरूरत होती है। समुद्री बीमा दरों में तेज उछाल ने स्थिति को और जटिल बना दिया। जब जहाज संघर्ष क्षेत्र के पास से गुजरते हैं तो बीमा कंपनियाँ जोखिम के अनुपात में प्रीमियम बढ़ा देती हैं। इससे परिवहन की लागत बढ़ जाती है। जो जहाज वैश्विक मार्ग अपनाते हैं उन्हें अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप का लंबा चक्कर लगाना पड़ता है जिससे यात्रा का समय और ईंधन खर्च दोनों बढ़ जाते हैं। यह बढ़ती हुई लागत अंततः उन देशों तक पहुँचती है जो इस तेल के खरीदार हैं और वहाँ के उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा बोझ बनती है। इस तरह होर्मुज में खींची गई एक रेखा दिल्ली, बीजिंग, टोक्यो और यूरोप की रसोइयों तक अपना असर दिखाती है। एशिया इस संकट का सबसे अधिक प्रभावित

क्षेत्र है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक देश है और उसकी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है। ऊर्जा महंगी होने पर उसकी विनिर्माण लागत बढ़ेगी, उत्पाद महंगे होंगे और वैश्विक बाजार में उसकी प्रतिस्पर्धात्मक बल कमजोर पड़ेगी। इसका असर उन देशों पर भी पड़ेगा जो चीनी वस्तुओं पर निर्भर हैं। भारत की स्थिति और भी अधिक नाजुक है। भारत अपनी कुल ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। तेल महंगा होने का अर्थ है कि परिवहन लागत बढ़ेगी, बिजली उत्पादन महंगा होगा, उद्योगों की लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु की कीमत ऊपर जाएगी। हाल की रिपोर्टों में यह सामने आया है कि तेल कीमतों में आई इस उछाल के कारण भारतीय मुद्रा पर भी दबाव बढ़ा है जो आयात को और महंगा बना देता है। इस संकट का एक ऐसा पहलू भी है जिस पर आम तौर पर कम ध्यान जाता है और वह है खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाला असर। आधुनिक कृषि ऊर्जा पर बहुत अधिक निर्भर है। खाद बनाने में प्राकृतिक गैस का बड़े पैमाने पर उपयोग होता है। जब ऊर्जा महंगी होती है तो खाद महंगी होती है, खेती की लागत बढ़ती है और अनाज के दाम चढ़ते हैं। 2026 के इस संघर्ष ने पहले ही तेल

नजरिया

उपभोक्ता बनते बच्चे

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश' मोबाइल : 7379100261

वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश मंडी में तब्दील होने लगा है। ध्यान देने की बात यह है कि इस मंडी के महत्वपूर्ण खरीदारों में बच्चों का विशेष स्थान बन चुका है। यहाँ तक कि अपने प्रयोग के सामानों के साथ-साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी महंगी खरीददारी में भी इनकी की भूमिका बनती जा रही है। निश्चित रूप बच्चे अभिभावकों के जरिए इस पड़व तक नहीं पहुँचे हैं, बल्कि अधिकांश माँ-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र अर्थात् हो कि उनके लड़कों को करोड़ों की खरीद-फरोखत के बाजारु जाल में फंसाया जा रहा है। कई सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को इस मुकाम तक लाने में टेलीविजन और उनके विज्ञापन का हाथ है। विज्ञापन सूचना माध्यम का एक आयाम है। यह हमारी आवश्यकताओं के सापेक्ष विकल्प प्रस्तुत करते हैं और हम विवेक सम्मत ढंग से उपयुक्त वस्तु का चयन कर सकते हैं। किन्तु बच्चों में विवेक कम होता है। आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टी.वी. पर जगमगते विज्ञापन वास्तविकता से कितने दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार हैं। मार्केटिंग तंत्र को इससे कोई मतलब नहीं है। बाजार की ताकतें जीवन की बदलती प्राथमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना वर्चस्व स्थापित करना जानती हैं। आज स्थिति यह है कि शिक्षित और कमाऊ वर्ग एकल परिवारों में विभक्त हैं। यद्यपि परिवार में बच्चों की संख्या सीमित होती है, फिर भी माता-पिता अपनी भाग-दौड़ भारी जिन्दगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। यह अपना अकेलापन बंटने के लिए निरन्तर टी.वी. चैनलों के सम्पर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा है। यह टी.वी. पर प्रसारित होने वाले उन्हीं सीरियलों को विशेष रूप से स्पॉन्सर करता है, जिसमें वर्जनों और पारंपरिक मूल्यों से मुक्त चमक-दमक भरी पाश्चात्य शैली की जिन्दगी दिखाई गई होती है। जबकि औसत हिन्दुस्तानी बच्चे का पारिवारिक परिवेश इससे एकदम अलग किस्म का होता है। किन्तु बच्चा यह अंतर नहीं समझ पाता है। यह टी.वी. वाली जिन्दगी को सत्य मानकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहता है। इसके अलावा बच्चों का ध्यान खींचने के लिए तीन चौथाई विज्ञापनों में बच्चों के रोल हैं। विज्ञापन का बच्चा बाल दर्शकों को खूब

आकर्षित करता है। वह विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखाना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, नेकर, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही; घरेलू सामान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा हो तो क्या कहने। यह है आज के बच्चों का दृष्टिकोण! वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, यही सीखते हैं। द इम्पैक्ट ऑफ टी.वी. एडवर्टाइजिंग आन चिल्ड्रन शीर्षक नमिता उन्नीकुमरन और शैलजा वाजपेयी के अध्ययन के अनुसार, आठ से पन्द्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं। एक तरफ टेलीविजन बच्चों में पाश्चात्य शैली के जीवन मूल्यों का सुजन कर रहा है, दूसरी तरफ उन्हें उपभोक्ता बनने के लिए विज्ञापनों को उनकी रुचि के अनुकूल बनाया जा रहा है। बच्चों को निशाने पर लेकर अपना लक्ष्यसंधान विपणन तंत्र की कच्चे सोची-समझी रणनीति है। इन्हें पता है कि बच्चे को समय न दे पाने की मन ही मन लज्जा झेलने वाले पैरेंट्स खरीददारी में बच्चों की भूमिका स्वीकारने के लिए विवश हैं, क्योंकि इससे उनको बच्चों से बढ़ती दूरी को निकटता में बदलने की अनुभूति होती है। बाजार का यह खेल अत्यन्त विनाशकारी है। यह सीधे-सीधे बचपन में हस्तक्षेप है, जो बच्चों के संस्कार व चारित्रिक विकास के स्तर पर गतिरोध पैदा कर रही है। माता-पिता, प्रियजन और शिक्षकों के साथ सघन संवाद, खेलकूद और किस्से-कहानियों के बीच पालने वाला बचपन संवेदना, कल्पना, चिंतन और तर्कशक्ति सम्पन्नता के धरातल पर विकसित होता है। यह रचनात्मक व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक है तथा इसी से विवेक और मानवीयता का पक्ष पुष्ट होता है। इधर बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। भोला-भला और सपनों से भारी आँखों वाला आजकाली बचपन विदा ले रहा है। उसका स्थान ले रहे हैं शेखीबाज, स्वाधी, आलसकेंद्रित और अवमानना से भरे बच्चे! पहले बच्चों की मांग में जरूरत शामिल होती थी। ले-देकर दुर्गा पूजा, दीवाली, ईद, क्रिसमस, होली आदि पर्वों और जन्मदिन, विवाह जैसे पारिवारिक उत्सवों पर बच्चों की मांग में कुछ जिद और आडंबर भी रहता था, किन्तु अब...। माता-पिता जब भी खरीदारी के लिए निकलने लगते हैं, बच्चों की लिस्ट सामने होती है। इसमें जरूरत के समान शायद ही रहते हैं, ज्यादातर आइटम तड़क-भड़कवाले ही होते हैं। अभिभावकों के पास बच्चों को सादगी, संयम, संतोष और मितव्ययिता की सीख देने का समय नहीं है। वे बच्चों की मांग की पूर्ति



आधुनिक भारतीय समाज अपने अन्दर विरोधाभास और द्वन्द्व के चरम उबाल को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ सम्पन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। इस संवर्ग के बच्चे या किशोर में क्या अपने ही आयुवर्ग के सम्पन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक नहीं हो सकती? असमान्यता पहले भी थी, मगर तब अमीर-गरीब की खाई इतनी चौड़ी नहीं थी।

करके उन्हें प्रसन्न देखना चाहते हैं। यह विवेक तो वह पता नहीं कब गवां चुके हैं कि सोच सकें, जिनके पार विकसित होता है। यह रचनात्मक व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक है तथा इसी से विवेक और मानवीयता का पक्ष पुष्ट होता है। इधर बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। भोला-भला और सपनों से भारी आँखों वाला आजकाली बचपन विदा ले रहा है। उसका स्थान ले रहे हैं शेखीबाज, स्वाधी, आलसकेंद्रित और अवमानना से भरे बच्चे! पहले बच्चों की मांग में जरूरत शामिल होती थी। ले-देकर दुर्गा पूजा, दीवाली, ईद, क्रिसमस, होली आदि पर्वों और जन्मदिन, विवाह जैसे पारिवारिक उत्सवों पर बच्चों की मांग में कुछ जिद और आडंबर भी रहता था, किन्तु अब...। माता-पिता जब भी खरीदारी के लिए निकलने लगते हैं, बच्चों की लिस्ट सामने होती है। इसमें जरूरत के समान शायद ही रहते हैं, ज्यादातर आइटम तड़क-भड़कवाले ही होते हैं। अभिभावकों के पास बच्चों को सादगी, संयम, संतोष और मितव्ययिता की सीख देने का समय नहीं है। वे बच्चों की मांग की पूर्ति

संकीर्णताओं और नैराश्य के अंधकार में लोगों को भटकने से बचत था। आज संतोष और संयम पर आधारित पुराने मूल्य खण्डित हो रहे हैं। इनके स्थान पर भोगवाद प्रबल हो रहा है। यह गलत-सही कैसे भी मन की मुराद पूरी करने की प्रेरणा देता है। युवावर्ग में आक्रोश, आक्रामकता, विद्रोह, अवमानना, हिंसक वृत्ति वगैरह में बढ़ोत्तरी इसी की देन है। समाज में जिस तेजी से असमानता बढ़ रही है, उसको देखते हुए इन पतनशील वृत्तियों में अभी और वृद्धि की संभावना है। समाज क्रिया-प्रतिक्रिया से संचालित होता है। नई उपभोक्ता जमात की कुछ तो प्रतिक्रिया वंचित वर्ग के किशोरों-युवाओं पर होगी ही! इससे समाज के ताने-बाने में जिस बड़े उलझाव के पूर्व संकेत मिल रहे हैं, वह निश्चय ही डरावनी तस्वीर है। इससे समाजशास्त्री और शिक्षाविद चिंतित हैं। किन्तु बाजार और मीडिया की ताकत के सामने वह असहाय हैं। उनकी चिंता सिर्फ चिंता है, वह आपाधापी भरे समाज को कोई सार्थक चिंतन और दिशा नहीं दे पा रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय की मंजूरी के कारण अब नीरव मोदी का मामला 'गोपनीय' रहेगा

नयी दिल्ली/भाषा। फ्रांस के स्ट्रासबर्ग स्थित यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय (ईसीएचआर) ने भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी की पहचान को गोपनीय रखने की अनुमति दे दी है, जिससे उसका मामला सार्वजनिक जांच से बाहर हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय उनके मामले को गोपनीय मानेगा और मामले की कार्यवाही जनता की नजरों से दूर की जाएगी। ईसीएचआर के प्रेस कार्यालय ने 'पीटीआई' को बताया, जिन मामलों में आवेदक को पहचान गोपनीय रखने का अधिकार दिया गया और मुकदमे से जुड़ी फाइल गोपनीय है, उन मामलों के बारे में न्यायालय कोई जानकारी नहीं दे सकता। लगभग दो सप्ताह में ईसीएचआर नीरव मोदी की याचिका पर सुनवाई कर सकता है। सूत्रों के अनुसार, न्यायालय केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की भी सुनवाई करेगा, जिसके बाद वह फैसला सुना सकता है। यदि मोदी की याचिका खारिज हो जाती है, तो ब्रिटेन में भारत में उसके प्रत्यर्पण की अंतिम कानूनी बाधा दूर हो जाएगी। वह फिलहाल लंदन की जेल में बंद है। मार्च में ब्रिटेन के 'हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस' ने मोदी की प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका पर फिर से सुनवाई की अपील को खारिज कर दिया था। इससे ब्रिटेन में नीरव मोदी के लिए सभी कानूनी रास्ते बंद हो गए। इसके बाद उसने यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय (ईसीएचआर) का रुख किया। ब्रिटेन मानवाधिकारों पर यूरोपीय संधि का हस्ताक्षरकर्ता देश है। लॉर्ड जस्टिस स्टुअर्ट-स्मिथ और जस्टिस जे की पीठ वाली 'हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस' ने दंड प्रक्रिया नियमों के तहत मोदी की अपने प्रत्यर्पण अपील को फिर से खोलने की याचिका को 'खारिज' कर दिया।



उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक बड़े रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भीड़ से गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

बाबा साहेब को 'भारत रत्न' न मिले इसके लिए कांग्रेस ने हर प्रकार से षड्यंत्र रचे : आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को षड्यंत्रित अर्पित करते हुए मंगलवार को विपक्षी दलों, खासतौर से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि बाबा साहेब को 'भारत रत्न' न मिले, इसके लिए कांग्रेस ने हर प्रकार से षड्यंत्र रचे। योगी आदित्यनाथ ने यहां आंबेडकर महासभा परिसर में बाबा साहेब की 135वीं जयंती पर आयोजित एक समारोह में उनके सिद्धांतों पर आधारित एक स्मारिका का लोकार्पण किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, कांग्रेस ने बाबा साहेब को कभी सम्मान नहीं दिया, चुनाव लड़ने से वंचित करने का प्रयास किया और उन्हें भारत रत्न न मिले, इसके लिए उसने हर प्रकार के षड्यंत्र रचे। उन्होंने कहा, आज वह (कांग्रेस) भी संविधान की प्रति लेकर भले ही घूम रही है, लेकिन इसकी वास्तविकता को समझने की आवश्यकता है। योगी ने कहा, मुझे प्रसन्नता है कि बाबा साहेब की 135वीं जयंती

के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बड़ा कार्यक्रम अपने हाथ में लिया है। पहले चरण में सभी 75 जिलों में एक-एक स्थान पर और इसके बाद जहां बाबा साहेब की प्रतिमाएं सार्वजनिक स्थानों पर हैं, वहां चारदीवारी और छतरी की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, आज पूरा देश भारत माता के महान सपूत को स्मरण कर रहा है, जिनका जीवन एक भारत-बैध भारत की परिकल्पना को साकार करने और गरीबों को न्याय दिलाने के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा, आज हर दलित, वंचित, गरीब और महिला न्याय की अपेक्षा रखती है और उसे बाबा साहेब के विचारों में रोशनी दिखाई देती है। विपक्षी दलों की सक्रियता पर तंज करते हुए योगी ने कहा, बाबा साहेब के विचारों का जो प्रकाश फैला है, उसे हड़पने के लिए स्वार्थी ताकतों उनके नाम का उपयोग कर रही हैं और घड़ियाली आंशु बहा रही हैं। उन्होंने कहा, ये वही लोग हैं जिन्हें दलितों, वंचितों, महिलाओं और गरीबों से नफरत रही है और जिन्होंने सामाजिक न्याय के पुरोधों का अपमान

किया। आज वे लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। योगी ने सवाल उठाते हुए कहा, बाबा साहेब और संत रविदास के नाम पर बने नफरतों के नाम क्यों बदले गए और कन्नौज के सरकारी मेडिकल कॉलेज का नाम क्यों बदला गया। उन्होंने आरोप लगाया, गरीबों, दलितों और वंचितों के हक पर उकैती डाली गई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जब इन नामों की बात सामने आती, तो समाजवादी पार्टी के मौजूदा मुखिया का ही नाम सामने आता। ये वे लोग हैं जो चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए और इन्होंने गरीबों, दलितों और वंचितों की पीड़ा को कभी नहीं समझा। उन्होंने कहा, बाबा साहेब के प्रयासों से मिलने वाले जमीन के पटों से भी आपको वंचित करने का प्रयास किया गया। मुख्यमंत्री ने असीम अरुण को धन्यवाद देते हुए कहा कि कन्नौज के मेडिकल कॉलेज का नाम फिर से बाबा साहेब के नाम पर करने की घोषणा कराई गई।

'न्याय के साथ विकास' से राजनीतिक पलटवार तक; ऐसी है नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत

पटना/भाषा



बिहार की राजनीति में लंबे समय तक केंद्रीय भूमिका निभाने वाले नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर एक ऐसे अध्याय पर विराम लगाया, जिसकी विरासत उपलब्धियों और विवादों के मिश्रण के रूप में देखी जाएगी। खुद को न्याय के साथ विकास के सूत्रधार के रूप में स्थापित करने वाले जनता दल (यूनाइटेड) अध्यक्ष की छवि जहां सुशासन और बुनियादी ढांचे के विस्तार से जुड़ी रही, वहीं लगातार बदलते राजनीतिक समीकरणों ने उनके सफर को उलटता ही जटिल और बहुआयामी बना दिया। अब राज्यसभा सदस्य बन चुके नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर हमेशा संतुलन साधने की कला से जुड़ा रहा एक ओर भाजपा के सहारे सत्ता में बने रहना और दूसरी ओर सामाजिक न्याय व साम्प्रदायिक सौहार्द के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करना। लेकिन उनके इस्तीफे के साथ ही यह बहस तेज हो गई है कि मंडल राजनीति की उपज रहे इस नेता ने आखिरकार उसी भाजपा के हाथों बिहार की कमान सौंप दी, जो अब तक हिंदी पट्टी के राज राज्य में शीर्ष पद तक नहीं पहुंच सकी थी। इसी बीच, बेटे निशांत के सक्रिय राजनीति में प्रवेश

और संभावित तौर पर सरकार में भूमिका को लेकर उठती अटकलों ने उस छवि पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसे नीतीश कुमार ने वर्षों तक 'वंशवाद से दूरी' के रूप में गढ़ा था। इसके बावजूद 75 वर्षीय नीतीश कुमार के खाते में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज हैं, जिनमें से कुछ उनके उस दौर से जुड़ी हैं जब वे पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी की केंद्र सरकार में मंत्री थे। कहा जाता है कि वाजपेयी उन्हें अपने सबसे सक्षम सहयोगियों में गिनते थे और बिहार में लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली मजबूत राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सरकार को चुनौती देने के प्रयासों के दौरान उन्हें राजग का चेहरा बनाने में उनकी अहम भूमिका रही। अपने समय के श्रेष्ठ सांसदों में शुमार रहे कुमार ने रेल मंत्री के रूप में भारतीय रेल के आधुनिकीकरण में विशेष रुचि दिखाई और कई अहम पहल

कीं। उन्होंने 2005 में जब बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभाली, तो एक ऐसे राज्य की छवि बदलने का बीड़ा उठाया, जिसे लंबे समय तक अराजकता और पिछड़ेपन के प्रतीक के रूप में देखा जाता था। उनके पहले पांच वर्षों के कार्यकाल को, उनके कठोर आलोचक भी, बदलाव की लाजवी बयार लाने वाला मानते हैं। एक कठोर और व्यवहारिक राजनेता के रूप में नीतीश कुमार ने सत्ता की राजनीति में कभी झिझक नहीं दिखाई। मोकामा के विधायक अनंत कुमार सिंह जैसे विवादित चेहरों के साथ समीकरण साधने से भी उन्होंने परहेज नहीं किया, वहीं दूसरी ओर पुलिस तंत्र को सशक्त बनाकर कानून का राज स्थापित करने की कोशिश भी जारी रखी और उनके शासन की विरोधाभासी लेकिन विशिष्ट पहचान रही। लोकतन्त्रवादी नीतियों हमेशा उनकी राजनीति का अहम आधार रहे। सत्ता में आने के शुरुआती दौर में छात्राओं को मुफ्त साइकिल और वर्दी जैसी योजनाएं उनकी पहचान बन गईं, जबकि कार्यकाल के उत्तरार्ध में 125 यूनिट मुफ्त बिजली और प्रतियोगी परीक्षाओं के फॉर्म शुल्क माफी जैसी घोषणाएं उस समय सामने आईं, जब राजनीतिक जमीन थोड़ी कमजोर पड़ती दिख रही थी।



'भूत बंगला' का नया गाना 'ओ सुंदरी' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में जब भी कोई बड़ी फिल्म रिलीज के करीब होती है, तो उसके गाने और ट्रेलर का दर्शकों का काफी बेसब्री से इंतजार रहता है। इन दिनों अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' इंटरनेट पर खूब चर्चा बटोर रही है। इस बीच मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'ओ सुंदरी' रिलीज कर दिया है। फिल्म का नया गाना 'ओ सुंदरी' एक शादी के जश्न पर आधारित ट्रेक है, जिसे सुनते ही लोग झूमने पर मजबूर हो जाएंगे। इस गाने में मेरती और खुशी के पलों को खूबसूरती से दिखाया गया है। गाने की सबसे खास बात इसका म्यूजिक और एनर्जी से भरा डांस है। इसे विशाल मिश्रा, नकाश अजीज

और अंतरा मित्रा ने गाया है, जबकि इसका संगीत प्रीतम ने तैयार किया है। वीडियो में अक्षय कुमार और यामिका गब्बी की केमिस्ट्री दर्शकों को देखने को मिल रही है। गाने में दोनों डांस मूव्स काफी दमदार हैं। साथ ही गाने में मिथिला पालकर भी नजर आ रही हैं, जो फिल्म में अक्षय की बहन का किरदार निभा रही हैं। गाने में मिथिला की सगाई दिखाई गई है। इस दौरान अक्षय अपनी बहन के प्रति प्यार और खुशी जाहिर करते हुए जमकर डांस करते हैं। कभी वह उन्हें आशीर्वाद देते हैं, तो कभी झूटते हुए उनके साथ डांस करते दिखते हैं। यह गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रहा है। निदेशक प्रियदर्शन की इस फिल्म में पहली बार अक्षय कुमार के साथ यामिका गब्बी नजर आ रही हैं। इसके अलावा परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और अरसानी जैसे अनुभवी कलाकार भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म 17 अप्रैल दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म से मेकर्स को काफी उम्मीदें हैं। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन ने इससे पहले 2010 में रिलीज हुई फिल्म 'खट्टा मिठा' में साथ काम किया था। अब 16 साल बाद दोनों साथ में काम कर रहे हैं। ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि इस फिल्म में नयापन होगा और यह मनोरंजन करने में सफल रहेगी।



अनीता हसनंदानी के साथ तिरुमाला मंदिर पहुंची एकता कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर अपनी आध्यात्मिकता को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वह आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में दर्शन करने के लिए गई हैं। इस यात्रा की खास बात यह है कि उनके साथ अभिनेत्री अनीता हसनंदानी भी अपने परिवार के साथ हैं। दोनों ने साथ मिलकर भगवान की पूजा-अर्चना की। एकता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक खास तस्वीर शेयर की। यह फोटो अनीता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सबसे पहले पोस्ट की थी, जिसे बाद में एकता ने रीशेयर

किया है। तस्वीर पर लिखा हुआ है, 13 अप्रैल 2026, तिरुमाला, आंध्र प्रदेश। अख्यान की ओर एकता का लंबे समय से झुकाव रहा है। वह समय निकालकर मंदिरों में जाती रहती हैं और अपनी आस्था को हमेशा खुलकर व्यक्त करती हैं। अनीता हसनंदानी भी उनकी अच्छी दोस्त हैं। दोनों के बीच दोस्ती कई सालों पुरानी है। अनीता हसनंदानी ने एकता कपूर के बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत कई सुपरहिट धारावाहिकों में काम किया है, जिनमें ये हैं मोहब्बतें, नागिन 3, काव्यांजलि, कभी सौतन कभी सहेली, क्योंकि सास भी कभी बहू

थीं, और कसम से प्रमुख हैं। उन्होंने नागिन 4 में भी भूमिका निभाई थी। कभी सौतन कभी सहेली अभिनेत्री का टीवी डेब्यू शो था, जिससे उन्हें पहचान मिली थी। एकता कपूर की बात करें तो वह छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड में भी काफी सक्रिय हैं। उन्होंने कई फिल्मों का निर्माण किया है। उनकी अपकर्मिण फिल्म 'भूत बंगला' 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। इसे एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यही पजह है कि फिल्म के प्रमोशन के लिए अक्षय कुमार की एंटी 'नागिन 7' में करवाई गई। इस खास एपिसोड के जरिए दर्शकों को एक साथ टीवी ड्रामा और फिल्मी तड़का देखने को मिला।

अब ओटीटी पर मचेगा 'किंग' का शोर, 'लुक्खे' की रिलीज डेट जारी

मुंबई/एजेन्सी

रैप कल्चर, अपराध और बदले की रोमांचक कहानी पर आधारित म्यूजिक एक्शन ड्रामा वेब सीरीज 'लुक्खे' के जरिए लोकप्रिय रैपर और संगीतकार किंग अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। मंगलवार को मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट की जानकारी दी। प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में फिल्म के मुख्य कलाकारों के किरदारों के बारे में बताया गया है। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, अब रैप और बदला जोर से बोलेंगे... सीरीज 'लुक्खे' प्राइम वीडियो पर 8 मई को प्रसारित होने वाली है। 'लुक्खे' एक काल्पनिक म्यूजिकल एक्शन ड्रामा सीरीज है, जिसकी कहानी चंडीगढ़ की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यहां रैप म्यूजिक की दुनिया, महत्वाकांक्षा और अपराध एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। सीरीज की कहानी दो प्रतिद्वंद्वी रैपर्स के बीच बदले की कहानी को दिखाएगी। इसमें एक तरफ एमसी बदनान, जिसका किरदार लोकप्रिय रैपर और संगीतकार किंग निभा रहे हैं, जबकि दूसरी ओर ओंजी हैं, जिसका किरदार शिवांकित परिहार निभाते नजर आएंगे।



और दुश्मनी के बीच की सीमाएं धुंधली होंगी। जबरदस्त एक्शन, मोलियों की बौचर और जोशीली म्यूजिकल एनर्जी का मेल है। हिमांक गौड़ द्वारा निर्देशित सीरीज 'लुक्खे' का निर्माण ओपटीमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट और व्हाइट गुरिला एलएलपी के बैनर तले विपुल डी. शाह और राजेश बहल द्वारा किया गया है। कहानी और स्क्रिप्ट अग्रिम जोशी और देबोजीत दास द्वारा लिखी और प्रोड्यूस की है। आठ-एपिसोड की सीरीज में राशि खन्ना और किंग (अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत कर रहे हैं) मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही पलक तिवारी (जो अपनी स्ट्रीमिंग डेब्यू कर रही हैं) और लक्ष्मी सिंह सरन भी अहम रोल में हैं। इसके अलावा, सीरीज में नकुल रोशन सहदेव, कृतिका भारद्वाज, शिवांकित परिहार, योगराज सिंह और आयशा रजा मिश्रा जैसे

कलाकार भी अहम रोल में शामिल हैं। प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल, निखिल मधोक, ने सीरीज को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, प्राइम वीडियो में, हम कहानी के नए-नए तरीकों के साथ प्रयोग करके हमेशा कुछ बेहतरीन करने में विश्वास रखते हैं, फिर चाहे वह अलग-अलग जानकों को मिलाना हो, नए फॉर्मेट खोजना हो, या फिर लोक से हटकर कहानियों को बढ़ावा देना हो। उन्होंने कहा, यह सीरीज जबरदस्त एक्शन और रैप म्यूजिक को एक साथ लाती है। साथ ही कहानी की रफ्तार और भावनात्मक गहराई का शानदार बैलेंस बनाती है। इसमें बदला और प्रायश्चित की मजबूत कहानी है, जो किरदारों और उनके फैसलों से आगे बढ़ती है। किंग और पलक तिवारी इस सीरीज से अपना

ओटीटी डेब्यू कर रहे हैं। हमें पूरा विश्वास है कि 8 मई को जब यह सीरीज रिलीज होगी, तो दर्शक इसे बहुत पसंद करेंगे। सीरीज के क्रिएटर्स और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर्स अग्रिम जोशी और देबोजीत दास पुरकार्यरथ ने बताया, 'लुक्खे' हमारे लिए एक बहुत ही जुनून भरा प्रोजेक्ट रहा है। हमने एक ऐसी दुनिया बनाई है जहां एक्शन, रैप म्यूजिक और सच्ची इंसानी भावनाएं एक साथ जुड़कर दर्शकों को रोमांचक अनुभव देंगी। प्राइम वीडियो और बेहद प्रतिभाशाली हर तरफ की भूमिका निभाने में सक्षम कलाकारों के साथ मिलकर काम करने से इस अलग अलग जॉनर वाली कहानी को इस तरह से पेश कर पाए हैं, जो दर्शकों को पूरी तरह से अपने साथ जोड़ लेती है, जिसमें जबरदस्त तीव्रता है और जो सबसे अलग है।

मेरी पूरी दुनिया चली गई, आशा मोसले को याद कर पोती जनाई मोसले हुई मावुक

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका आशा मोसले का सोमवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनकी पोती जनाई मोसले ने इंस्टाग्राम पर अपनी दादी के साथ बिताए खूबसूरत पलों को याद करते हुए एक प्यारा वीडियो शेयर किया है। इस पोस्ट में जनाई ने बताया कि उनकी दादी उनके लिए परिहार का सिर्फ एक सदस्य नहीं, बल्कि उनकी पूरी दुनिया थीं। जनाई ने अपने पोस्ट में लिखा, "आज सुबह जब मैं उठी, तो मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपने शरारतों के साथी, अपने सबसे अच्छे दोस्त, उस इंसान को खो दिया है, जिसने मेरी दुनिया को पूरा किया, जिसने मुझे जन्म के समय सबसे पहले अपनी गोद में लिया था।" उन्होंने आगे लिखा, "अब मैं क्या करूँ? अब मैं सुबह उठकर किसे गले लगाऊँ और किसके साथ चाय पीऊँ? जब मैं घर आऊंगी तो मेरा इंतजार कौन करेगा? और मैं मजाक किसके साथ करूंगी? मेरी पूरी दुनिया चली गई।" जनाई ने दादी को याद करते हुए कहा, "ये तो बस कुछ बातें हैं जो मुझे उनकी याद दिलाती हैं।"

पहली बार रियलिटी शो में हुई थी तारा सुतारिया और फराह खान की मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड कोरियोग्राफर फराह खान अपनी फिल्मों से ज्यादा अब अपने यूट्यूब व्लॉग के लिए फेमस हैं। वे अपने रसोई दिलीप के साथ बॉलीवुड स्टार्स के घर जाती हैं और उनके साथ मजेदार डिश बनाने के साथ-साथ हिंदी सिनेमा से जुड़े राज भी खोलती हैं। अब कोरियोग्राफर को तारा सुतारिया के घर देखा गया, जहां दोनों ने अपनी पहली मुलाकात का किस्सा भी शेयर किया। फराह खान का नया व्लॉग यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है, जिसमें वे तारा सुतारिया के साथ पहली मुलाकात का किस्सा शेयर करती दिख रही हैं। दोनों की पहली मुलाकात रियलिटी शो 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' के सेट पर हुई थी, जहां 14 साल की प्यारी तारा ने स्टेट पर शानदार ओपेरा गाया था। शो में फराह खान बताती हैं कि वे तारा



के पिता की कॉलेज की दोस्त हैं और तारा स्कूल की तरफ से हमारे शो पर आई थीं और गाना गाने की इच्छा भी जाहिर की थी। कोरियोग्राफर आगे बताती हैं कि तारा उस वक्त बहुत छोटी थी और कर्ल बालों के

साथ उन्होंने स्टेट पर पूरे कॉन्फिडेंट के साथ ओपेरा गाया था। अभिनेत्री ने इतना अच्छा गाया था कि अनु मलिक का मुंह खुला रह गया था। शो में तारा अपने कुकिंग एक्सपीरियंस पर भी बात करती हैं और

बताती हैं कि उन्हें पहले खाना बनाने का शौक नहीं था लेकिन कॉविड के समय वो घर में एक्सपेरिमेंट करती थीं। उसी दौरान उन्होंने अच्छा खाना बनाना सीखा था। यह बात तो सभी जानते हैं कि तारा एक प्रोफेशनल सिंगर हैं और उन्होंने विदेश से सिंगिंग का प्रशिक्षण लिया है। हिंदी सिनेमा में भी कई गाने गा चुकी हैं, जिसमें एक विलेन रिटर्न्स का 'शामत', 'हीरोपंती 2' का मिस हैरान और जलवानुना गाना शामिल है। बता दें कि तारा सुतारिया ने इसी साल अपना आलीशान घर खरीदा था और गृह प्रवेश के बाद घर के कोने-कोने की फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट की थीं। अभिनेत्री ने घर के शानदार क्लासिक विंटेज फर्नीचर से लेकर पियानो की फोटोज भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की थीं। पहला घर खरीदना तारा के लिए बेहद सुखद अनुभव रहा है।

